



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशन
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 169]
No. 169]

नई दिल्ली, बुधवार, अप्रैल 4, 2007/चैत्र 14, 1929
NEW DELHI, WEDNESDAY, APRIL 4, 2007/CHAITRA 14, 1929

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 4 अप्रैल, 2007

सं. 15/2007-सेवा कर

सा.का.नि. 271(अ).—यतः केन्द्र सरकार इस बात से संतुष्ट है कि उपर्युक्त परिवहन प्राधिकरण द्वारा जारी कंट्रैक्ट कैरिज परमिट के अन्तर्गत यात्रियों के एक स्थान से दूसरे स्थान पर परिवहन के संबंध में संचालित सेवाओं (पैकेज यात्रा के संबंध में प्रदान की गई सेवाओं को छोड़कर) को प्रदान करने वाले यात्रा संचालक द्वारा प्रदान की गई सेवाओं पर वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32) (एतदप्रश्चात् वित्त अधिनियम के रूप में उल्लिखित) की धारा 66 के अन्तर्गत सेवा कर लगाने (उसे नहीं लगाने सहित) के संबंध में एक सामान्य प्रक्रिया प्रचलित है और यह कि ऐसी सेवाएं वित्त अधिनियम की धारा 65 के खंड 105 के उपखंड (ड) के अन्तर्गत सेवा कर के योग्य हैं जिन पर 1 अप्रैल, 2000 से शुरू और 4 फरवरी, 2004 को समाप्त अवधि के दौरान प्रक्रिया के अनुसार नहीं लगाया जा रहा था;

इसलिए, अब वित्त अधिनियम की धारा 83 के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 11 ग द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उपर्युक्त परिवहन प्राधिकरण द्वारा जारी कंट्रैक्ट कैरिज परमिट के अन्तर्गत यात्रियों के एक स्थान से दूसरे स्थान पर परिवहन के संबंध में संचालित सेवाओं (पैकेज यात्रा के संबंध में प्रदान की गई सेवाओं को छोड़कर) को प्रदान करने वाले यात्रा संचालक द्वारा प्रदान की गई सेवाओं पर सेवा कर मूल्य पर परिकलित सेवा कर, जो उक्त कराधेय सेवा प्रदान करने के लिए ऐसे सेवा प्रदाता द्वारा ली गई सकल राशि के चालीस प्रतिशत के समतुल्य मूल्य पर परिकलित सेवा कर से अधिक है, का ऐसी कराधेय सेवा के संबंध में भुगतान अपेक्षित नहीं होगा जिस पर उक्त प्रक्रिया के अनुसार उपर्युक्त अवधि के दौरान सेवा कर नहीं लगाया जा रहा था।

[फा. सं. 354/180/2005-टी आर यू]

जी. जी. पई, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE**(Department of Revenue)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 4th April, 2007

No. 15/2007-Service Tax

G.S.R. 271(E).—Whereas, the Central Government is satisfied that a practice was generally prevalent regarding levy of service tax (including non-levy thereof) under Section 66 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994) (hereinafter referred to as the Finance Act) on services provided by a tour operator providing services in relation to transport of passengers from one place to another (other than services provided in relation to package tour) operating under a contract carriage permit issued by the appropriate transport authority and that such services were liable to service tax under sub-clause (n) of clause 105 of Section 65 of the Finance Act, which was not being levied according to the said practice during the period commencing from the 1st day of April, 2000 and ending with the 4th day of February, 2004.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 11C of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944) read with Section 83 of the Finance Act, the Central Government hereby directs that the service tax payable on services provided by a tour operator providing services in relation to transport of passengers from one place to another (other than services provided in relation to package tour) operating under a contract carriage permit issued by the appropriate transport authority, as is in excess of the service tax calculated on a value which is equivalent to forty per cent of the gross amount charged by such service provider for providing the said taxable service, shall not be required to be paid in respect of such taxable service on which the service tax was not being levied during the aforesaid period in accordance with the said practice.

[F.No.354/180/2005-TRU]

G. G. PAI, Under Secy.